जूझने के बाद कुछ हासिल कर पाएँगे ओबामा

- अष्टम मंगल+राहु ने बचपन में अत्यंत संघर्ष कराए
- केन्द्र-त्रिकोण राजयोग ने महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ दिलाईं
- नीचभंग व पराक्रमी योग ने राष्ट्रपति पद दिलाया
- आगामी दो वर्ष अप्रत्याशित संघर्ष के व्यतीत होंगे
- भगवान कृष्ण के नक्षत्र में जन्मे एवं हनुमान भक्त ओबामा

ओबामा की कुंडली

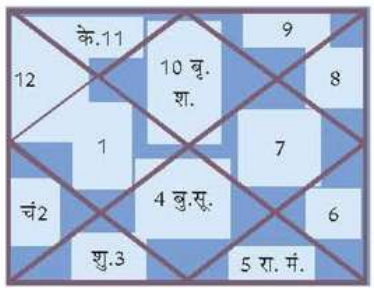

जन्म- 4 अगस्त, 1961, 1.24 बजे संध्या,
जन्म स्थान -होनूलूलू, अमेरिका

मंगलवार 20 जनवरी 2009 को अमेरिका के 44वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण करते ही बराक हुसैन ओबामा का नाम इतिहास के स्वर्णिम पन्नों में दर्ज हो गया। ओबामा अमेरिका के पहले अश्वेत निर्वाचित राष्ट्रपति बन गए हैं। अमेरिका दुनिया का सबसे शक्तिशाली प्रजातांत्रित देश माना जाता रहा है किंतु पिछले दशक से कई युद्धों में संलग्नता, आतंकवाद तथा आर्थिक मंदी की मार से अमेरिका भी हिल चुका है। ऐसे में अमेरिकी जनता के साथ सारी दुनिया की नजर ओबामा पर टिकी हुई हैं। सभी अपने-अपने तरीके से कयास लगाने में जुटे हैं। आइए हम ज्योतिष-शास्त्र के माध्यम से जानते हैं कि ओबामा की यह नई पारी कैसी रहेगी? क्या ओबामा अमेरिका को आर्थिक मंदी के दौर से बाहर निकाल पाएँगे? अमेरिका की पुरानी साख तथा सबसे शक्तिशाली राष्ट्र का खिताब बचा पाएंगे या नहीं? भारत से अमेरिका का रिश्ता भविष्य में कैसा रहेगा?

प्रोफाइल

ओबामा का जन्म 4 अगस्त, 1961 को मकर लग्न तथा रोहिणी नक्षत्र के प्रथम चरण अर्थात् वृष राशि में हुआ है। अष्टम राहु, मंगल तथा द्वितीय केतु ने बचपन में अत्यंत संघर्ष कराया। महज 2 वर्ष की उम्र में ही केन्या मूल के पिता तथा अमेरिकी मूल की माँ का संबंध विच्छेद करा दिया। इसी ने माँ का दूसरा विवाह इंडोनेशिया मूल के लालो सोएटरो से कराया। ओबामा को जकार्ता में बचपन के दस वर्ष व्यतीत कराए। राहु दशा (जुलाई, 1976 से जुलाई, 1996 तक) के प्रारम्भ होते ओबामा ने राजनीति तथा समाजशास्त्र के साथ अंतरराष्ट्रीय संबंध में रुचि ली। राजनीति शास्त्र विषय में कोलंबिया यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क से स्नातक की डिग्री (1983) हासिल की। राहु दशा जुलाई, 1996 तक विभिन्न लॉ फर्म में सलाहकार, संपादक तथा यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो, लॉ स्कूल में प्रोफेसर के रूप में योगदान दिया। फरवरी, 1980 से फरवरी, 1993 तक राहु-शुक्र दशा-अंतर्दशा में मिशेल रॉबिन्सन से 3 अक्तूबर, 1992 को विवाह किया। पंचम उच्च

सितारों के सितारे
समीर उपाध्याय

चन्द्र व मकर बृहस्पति होने से मालिया एन (1998) एवं नताशा (2001) दो कन्याएँ हुईं।

बृहस्पति दशा ने इतिहास पुरुष बना दिया

जुलाई, 1996 से जुलाई, 2012 तक लगी नीचभंग राजयोग तथा महापराक्रम योग में शामिल बृहस्पति दशा ने तमाम राजनीतिक उपलब्धियाँ दिलाईं। इस दशा में इलीनॉयस सीनेट का चुनाव 1996, 1998 तथा 2002 चुनाव जीते।

योगकारी बृहस्पति-शुक्र दशा-अंतर्दशा जून, 2004 से फरवरी, 2007 तक रही। इस दौरान जुलाई, 2004 में बुश प्रशासन की आर्थिक, सामाजिक तथा विदेश नीति के साथ इराक युद्ध में अमेरिकी भूमिका की आलोचना ने ओबामा को डेमोक्रेटिक पार्टी का नया सितारा बना दिया। 4 जनवरी, 2005 को ओबामा अमेरिकी संसद के सीनेटर बने।

योगकारी बृहस्पति-चन्द्र दशा-अंतर्दशा ने एतिहासिक उपलब्धि दिलाई।

4 नवम्बर, 2008 की बृहस्पति-चन्द्र-बुध की शुभ दशा-अंतर-प्रत्यांतर दशा में ओबामा जॉन मेकन को 173 के मुकाबले 36 वोट से हरा कर अमेरिका के 44वें राष्ट्रपति बने।

योगकारी बृहस्पति-चन्द्र दशा-अंतर्दशा ने ऐतिहासिक उपलब्धि दिलाई

कैसी रहेगी ओबामा की नई पारी?

ओबामा की योगकारी बृहस्पति दशा 24 जुलाई, 2012 तक रहेगी किंतु सर्वाधिक शुभ प्रभाव वाली चन्द्र अंतर्दशा 24 मार्च, 2008 को खत्म हो जाएगी। इसके बाद मंगल, राहु की संघर्षपूर्ण अंतर्दशा प्रारंभ होगी। ओबामा के सितारों की मानें तो इन्हें अमेरिका तथा दुनिया को नजरों में संकट-मोचक बनने के लिए अत्यंत संघर्ष करने पड़ेंगे। देश को आर्थिक संकट से बाहर निकालने के क्रम में प्राकृतिक आपदा तथा आतंकवादियों के अघोषित आक्रमण बाधक बनेंगे। कहीं अत्यंत नरम तो कहीं कड़े तेवर वाली विदेश नीति का विरोधियों द्वारा आलोचना होगी। अष्टम मंगल व्यक्तिगत दुर्घटना अन्यथा सर्जरी दर्शा रही है, अतः सतर्कता हितकर रहेगी। आर्थिक मामलों में क्रांतिकारी कदम उठाएँगे। प्रारम्भ के लगभग 2 वर्ष संघर्षपूर्ण तथा अप्रत्याशित प्राकृतिक-अप्राकृतिक घटना, आर्थिक मंदी, आतंकवाद, प्रशासन दुरुस्त करने में चले जाएँगे। शेष 2 वर्ष की अवधि बुलंद हौसले के साथ पुराने वादों को पूरा करने में निकल जाएँगे। ओबामा द्वारा मंगलवार को दशमी तिथि, शनि की नक्षत्र अनुराधा (प्रत्यक) में गंड योग व भद्रा के साथ शपथ ग्रहण करना भी अत्यंत विपरीत परिस्थिति में संघर्षपूर्ण सफलता को दर्शा रहा है।